पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:16.12.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

माता सुशीला हरिदेव आर्य स्मृति

भव्य वैदिक सत्संग

रविवार 26 दिसम्बर 2021,
प्रातः 9 बजे से 1.00 बजे तक
आर्य समाज सूर्य निकेतन
विकास मार्ग, पूर्वी दिल्ली
—यशोवीर आर्य,प्रधान

वर्ष-38 अंक-14 पौष-2078 दयानन्दाब्द 198 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2021 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.12.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 327वां वेबिनार सम्पन्न

आर्य समाज सेक्टर 33 नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

हिन्दू समाज ओ३म् ध्वज के नीचे संगठित हो—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
आर्य जन राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाये—ठाकुर विक्रम सिंह

रविवार 5 दिसम्बर 2021, आर्य समाज सेक्टर 33, नोएडा का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हो गया। 11 कुंडीय यज्ञ डॉ. जयेन्द्र आचार्य जी के ब्रह्मत्व में संम्पन्न हुआ। प्रधान शैलेंन जगिया, मंत्री गायत्री मीना, कैप्टन अशोक गुलाटी ने संयोजन किया। विशिष्ट अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि राष्ट्र की सब समस्याओं का समाधान मजबूत हिन्दू संघठन में ही निहित है। लालकिले पर तिरंगा झंडा भी तभी तक है जब हिन्दू बहुसंख्यक है। अल्पसंख्यक होते ही विचार व सोच बदलने से झंडा भी बदल जाता है। देश की आजादी में आर्य समाज ने सबसे अधिक भूमिका निभाई यदि राजनीति में प्रवेश करते तो कोई समस्या न होती। राजनीति सोच अलग होने से भ्रष्टाचार बड़ा है। जनसंख्या की समस्या भी बढ़ती जा रही है जिससे सामाजिक संतुलन बिगड़ जायेगा। आज राष्ट्र द्रोही स्वर बढ़ रहा है जिसे सख्ती से कुचलने की आवश्यकता है यह सब समाधान तभी संभव है जब जात पात, ऊंच नीच से ऊपर उठकर एक ओम ध्वज के संगठित हो। राष्ट्र निर्माण पार्टी के अध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह ने कहा कि आर्य जनों को सक्रिय राजनीति में आना चाहिए तभी स्वच्छ राजनीति व अच्छे कार्य हो सकेंगे। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) ने ओजस्वी गीतों से समा बांध दिया। डॉ जयेन्द्र आचार्य ने कुशल संचालन किया। शिक्षा विद डॉ. डी के गर्ग,डॉ. आनन्द कुमार,डॉ. वेदपाल, डॉ धर्मेन्द्र शास्त्री,विनय आर्य ने भी अपने विचार रखे । प्रधान शैलेंन जगिया ने आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से प्रवीन आर्य(प्रदेश महामंत्री,उत्तर प्रदेश),रविन्द्र सेठ,मर्दुल अग्रवाल, डॉ मंगलसिंह आर्य,जवाहर भाटिया, राजकुमार भंडारी, आदर्श विश्नोई, लक्ष्मी सिन्हा, सुषमा गुगलानी, कविता आर्या आदि उपस्थित थे । गुरुकुल के बच्चों ने मधुर गीत व रोचक व्ययाम प्रदर्शन किए।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी है नरेन्द्र आहूजा विवेक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

साहित्यकार,अधिकारी व कवि की त्रिमूर्ति है नरेन्द्र आहूजा—सत्य भूषण आर्य (जिला व सत्र न्यायाधीश)

शुक्रवार 3 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में हरियाणा राज्य औषधि नियंत्रक 'श्री नरेन्द्र आहुजा विवेक' की सरकारी सेवा निवृत्ति एवं सामाजिक सेवा में सक्रिय पदार्पण पर सम्मान समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया। यह कोरोना काल में 323 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आहुजा जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी है,उन्होंने सरकारी नौकरी, समाजसेवा, लेखक, कवि,साहित्यकार के रूप में जीवन को जिया है। अब वह महर्षि दयानंद के अनुगामी के रूप समाज उपकार का कार्य करेंगे, समस्त आर्य जगत की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

जिला व सत्र न्यायाधीश सत्यभूषण आर्य ने कहा कि आहुजा जी का व्यक्तित्व सबको आकर्षित करता है। पद व अधिकार से परे सरलता,मिलनसारिता के पर्याय है। आर्य केन्द्रीय सभा गुरुग्राम के प्रधान लक्ष्मण पाहुजा ने कहा कि नरेन्द्र आहूजा जी को समाजसेवा की प्रेरणा अपने माता—पिता से मिली हैं। नरेन्द्र जी से जब भी किसी ने सहायता मांगी हैं तो इन्होंने किसी को भी निराश नहीं किया हैं। आचार्य मनोज अंबाला ने कहा कि नरेन्द्र आहूजा विवेक के प्रवचनों से लोगो को जीवन में एक नई राह व प्रेरणा मिलती है। पूर्व मेट्रो पोलटेंन मैजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि नरेन्द्र आहूजा विवेक ने जीवन में उत्तम गुणों से उत्कर्ष स्थान प्राप्त किया है। वे एक साहित्यकार, अधिकारी व कवि हृदय है। ये प. लेखराम के मिशन तहरीर व तकरीर दोनों पर खरे उतरे हैं। आर्य केन्द्रीय सभा

(शेष पृष्ठ 3 पर)

योग से बदले जीने का अंदाज पर गोष्ठी सम्पन्न

योग से तन,मन ही नहीं राष्ट्र और समाज भी स्वस्थ होंगे –योगाचार्य रजनी चुघ
सुचेता कृपलानी का स्वतन्त्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 30 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्योग से बदले जीने का अंदाज विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न हुई। यह कॅरोना काल में 321 वा वेबिनार था। योगाचार्य रजनी चुघ ने कहा कि योग से स्वस्थ मन व शरीर ही नहीं होता अपितु राष्ट्र व समाज भी स्वस्थ होता है । आत्मा और परमात्मा का एक हो जाना ही योग है। जब शरीर, मन, इंद्रियां, संयम जब व्यक्ति के काबू में हो जाये तो वही योग है । योग करने से आचरण, व्यवहार, सम्बन्ध अच्छे होने से समाज भी अच्छा बनेगा। समाज से गलत मानसिकता बुराइयों को योग साधक दूर कर सकते है। बच्चों को योग की ओर आकर्षित करने से अनुशासन व चरित्र उज्ज्वल होगा । वास्तव में योग जीवन जीने की कला है योग अपनाने से जीने का अंदाज बदल जायेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने समाजसेवी सुचेता कृपलानी की 47 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह भारत के किसी राज्य की पहली मुख्यमंत्री थी , 1963 में उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनी। उन्होंने महात्मा गांधी जी के साथ स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई । वह एक कुशल प्रशासक भी रही । 1 दिसम्बर 1974 को उनका निधन हो गया। मुख्य अतिथि ऑस्ट्रेलिया से प्रेम हंस व अध्यक्ष अनिता रेलन ने भी योग करने व अपनाने पर बल दिया । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग समाज को जोड़ने का नाम है,जब प्रतिदिन सुबह पार्क में मिलकर योग करते हैं तो भाई चारा मजबूत होता है। गायक रविन्द्र गुप्ता,वीना वोहरा,रजनी गर्ग,उषा आहुजा,दीप्ति सपरा, प्रवीना ठक्कर, सुमन गुप्ता, कमलेश चांदना, सुमित्रा गुप्ता आदि ने मधुर भजन सुनाये।

65 वी पुण्यतिथि पर डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक समरसता को समर्पित रहा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 6 दिसम्बर 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने सुप्रसिद्ध समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर की 65 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर का जीवन समाज के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सामाजिक न्याय व समरसता के लिये कार्य किया। सामाजिक भेदभाव समाप्त हो उनका यह प्रयास रहा। वह विधिवेत्ता, अर्थ शास्त्री,राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे। वह भारत के प्रथम विधि व न्याय मंत्री रहे। वह भारतीय संविधान के जनक थे। प्रतिभा शाली होने के कारण पहले अर्थ शास्त्र के प्रोफेसर बाद में वकालत भी की। स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान के लिए 1990 में उन्हें सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिया गया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया । उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

गुरुकुल गौतम नगर का 42 वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रविवार 12 दिसम्बर 2021, श्रीमद् दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय गुरुकुल गौतम नगर नई दिल्ली का 42 वां चतुर्वेद ब्रह्मपारायण यज्ञ गत 21 नवम्बर से चल रहे का भव्य समापन हो गया। युवा विद्वान आचार्य योगेन्द्र याज्ञिक ब्रह्मा रहे। स्वामी प्रणवानंद जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। चित्र में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष श्री अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए ।

20 वीं बरसी पर संसद के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

आंतकवाद समूची मानवता को चुनौती है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 13 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्आजादी का अमृत महोत्सवष ऑनलाइन आयोजित किया गया । यह परिषद का कॅरोना काल में 327 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा भारत के वीर सिपाहियों ने अपनी जान पर खेल कर 13 दिसम्बर 2001 को संसद की गरिमा की रक्षा की थी,उन शहीद सिपाहियों को हम विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है । उन्होंने कहा कि आंतकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है,इसका समूल उपचार आवश्यक है । देश के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा अनेको क्रांतिकारी महर्षि दयानंद जी से प्रेरणा पाकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े । देश की युवा पीढ़ी को अपने क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हमे अपने जाबाज भारतीय सैनिकों व सिपाहियों पर गर्व करना चाहिए जो 24 घंटे राष्ट्र रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते है। मुख्य अतिथि रेणु घई व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने भी आर्य समाज के योगदान की चर्चा करते हुए शहीदों को नमन किया। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीन आर्या,दीप्ति सपरा, रचना वर्मा,नताशा कुमार, रजनी चुघ,नरेश खन्ना, उषा आहुजा, विजय कपूर, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, संध्या ढींगरा, प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना आदि के देश भक्ति के गीत गाये।

बच्चों में जीवन मूल्यों का संवर्धन पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र की प्रतिष्ठा संस्कारवान नागरिकों से होती है –डॉ. कल्पना रस्तोगी

शुक्रवार 10 दिसम्बर 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में बच्चों में जीवन मूल्यों का संवर्द्धन विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कॅरोना काल में 326 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ. कल्पना रस्तोगी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रतिष्ठा उसके संस्कारवान व चरित्र वान नागरिकों से होती है । जो संस्कार व शिक्षा बाल्यकाल में उन्हें दी जाती है वही उनका भविष्य तय करते हैं । उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य का अर्थ है अच्छे संस्कार या ऐसे जीवन सिद्धांत जो स्वयं के जीवन को सुंदर बनाने के साथ साथ परिवार और समाज को भी सुंदर बनाने में सहायक हो सकें । प्रत्येक माता पिता का कर्तव्य है कि बच्चो में छोटी आयु से ही जीवन मूल्यों का विकास करें द्य मनुष्य के भीतर अच्छे सस्कार और बुरे सस्कार दोनों जन्म से ही बीज रूप में रहते हैं द्य हमें स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करके अच्छे संस्कारों के बीज को सींचकर उनका संवर्धन करना चाहिए द्य बच्चे की पहली पाठशाला घर होती है इसलिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है घर का वातावरण द्य परिवार में यदि सब स्नेहशील हों , एक दूसरे का ध्यान रखते हों ,बोलचाल में सभ्यता सौम्यता हो और बड़ों का सम्मान किया जाता हो तो बच्चे भी ये ही संस्कार ग्रहण करेंगे द्य शालीनता और सहनशीलता जैसे मूल्यों की कमी के कारण ही आज परिवार में और समाज में छोटी छोटी बातों पर झगडे दिखाई देते हैं द्य बच्चा तो एक कोरे कैनवास की तरह होता है ,वह जो देखेगा,सुनेगा वही चित्र उसके मन मस्तिष्क में बनते जाएँगे द्य इसलिए हम उसके समक्ष जो भी व्यवहार करें ,यह ध्यान रखे कि बच्चा यही व्यवहार सीख लेगा द्य बच्चो में ईश्वर में आस्था रखना ,बड़ो का सम्मान ,मेहनत से न घबराना,ईमानदारीअसफल होने पर निराश न होना ,पुनः उठकर आगे बढ़ना, अपने मित्रो,रिश्तेदारों से अच्छे सबंधों को महत्त्व देना आदि जीवन मूल्य पिरोना बहुत आवश्यक है जो कदम कदम पर उनका मार्ग प्रशस्त करेंगे द्य आज सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग संस्कारों के संवर्धन में बाधा बन गया है द्य माता पिता को सोशल मीडिया का प्रयोग स्वयं भी सीमा में करना चाहिए और बच्चो के प्रयोग पर भी नियंत्रण रखना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि किसी राष्ट्र की पहचान ईंट मिट्टी से बने भवनों से नहीं अपितु उसके नागरिको के चरित्र से होती है। परिषद का लक्ष्य है मातृ पितृ भक्त,ईश्वर भक्त, देश भक्त युवा पीढ़ी का निर्माण करना जिससे राष्ट्र की नींव मजबूत हो । मुख्य अतिथि आर्य नेता राजेश मेहंदीरत्ता व अध्यक्ष संतोष नंदवानी ने भी व्यक्ति के निर्माण पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हमारी संस्कृति जीवन मूल्यों की संस्कृति है धन बल नहीं त्याग का सम्मान होता है। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, मधु खेड़ा, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, कमला हंस,कुसुम भंडारी, मर्दुल अग्रवाल,रचना वर्मा,सुरेश आर्य आदि ने मधुर भजन सुनाये ।

(पृष्ठ 1 का शेष)

फरीदाबाद के प्रधान डॉ. गजराज आर्य ने कहा कि नरेन्द्र आहूजा विवेक ने सरकारी अधिकारी होते हुए भी समस्त क्षेत्र में अपनी गतिविधियों की सक्रियता रखी। अंबाला कैण्ट से विजया गुप्ता जी ने कहा कि नरेन्द्र आहूजा विवेक ने गृहस्थ होते हुए भी आध्यात्मिक जीवन जिया है। वे संत प्रवृति के व्यक्ति है। आर्ष कन्या गुरुकुल हजारीबाग,झारखंड से आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य ने नरेन्द्र आहूजा विवेक को धर्मांतरण सहित अनेक समस्याओं के निवारण हेतु झारखंड में आमंत्रित किया। पतंजलि योग समिति हरियाणा के प्रभारी ईश आर्य ने कहा कि रिश्ते बनाना और निभाना अगर किसी को सीखना है तो नरेन्द्र आहूजा विवेक उसके अच्छे उदाहरण है। गुरुकुल कण्वाश्रम,कोटद्वार के अध्यक्ष योगिराज विश्वपाल जयन्त ने कहा कि नरेन्द्र जी को वीर भरत की धरती पर अवश्य आना चाहिए। यहां समाज को लेकर अनेक नए प्रकल्प चल रहे हैं। बिहार सोशल व फैमिली लाइफ तीनों में सफलता प्राप्त की। उत्तर प्रदेश प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि विवेक जी 35 बार से ज्यादा रक्तदान कर चुके हैं यह प्रेरणा योग्य है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने कहा प्यार, सेवा, समर्पण आहूजा जी के स्वभाव की सबसे अच्छी विशेषता है। आचार्य भानुप्रकाश वेदालंकार(इंदौर), आचार्य महेन्द्र भाई(दिल्ली), जितेन्द्र सिंह आर्य(बल्लभगढ़), हरिओम आर्य,दीप्ति सपरा, प्रतिभा कटारिया आदि ने कार्यक्रम में भविष्य के लिए श्री नरेन्द्र आहूजा विवेक जी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रान्तीय प्रभारी श्री नरेन्द्र आहूजा विवेक ने सर्वप्रथम महर्षि दयानंद सरस्वती जी व आर्य समाज का आभार व्यक्त किया जिनके विचारों के कारण सभी आर्य जन यहाँ इकट्ठा हो पाए। आहूजा ने कहा कि सेवानिवृत होना सिर्फ राह का परिवर्तन है। अब वह नए जोश, ऊर्जा, शक्ति से सामाजिक रुप से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने संकल्प लिया कि ऋषि दयानंद के सपनों को पूरा करने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। नरेन्द्र आहूजा विवेक जी ने देश के विभिन्न राज्यों के अध्यक्ष व प्रभारियों का भी कार्यक्रम में उपस्थित रहने व शुभकामनाएं देने के लिए विशेष धन्यवाद किया। कार्यक्रम में गायिका अंजू आहूजा(पंचकूला), रविंद्र गुप्ता(फरीदाबाद), जनक अरोड़ा(पानीपत),यश वर्मा, विनोद वर्मा, दीप्ति सपरा(यमुनानगर), विजया गुप्ता(अम्बाला), प्रवीना ठक्कर(मुम्बई),उर्मिल आर्य (गुरुग्राम), कमलेश चांदना,अश्विनी आर्य(नरवाना) आदि ने ईश्वर भक्ति के गीतों से समा बांध दिया।

संस्कृति और स्वास्थ्य पर गोष्ठी सम्पन्न

हमारे खान पान से हमारी संस्कृति झलकती है–डॉ. सुषमा आर्या,आयुर्वेदाचार्य

विपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 8 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में संस्कृति और स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 325 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सी डी एस विपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने सेना में नयी ऊर्जा व उत्साह का संचार किया व सेना का नवीनीकरण किया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समस्त राष्ट्र आज दुःखी व असहाय महसूस कर रहा है । ष्हजारों साल तक नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा, डॉ. सुषमा आर्या ने कहा कि व्यक्ति के खानपान रहन सहन से उसकी संस्कृति झलकती है। आयुर्वेद के अनुसार सात प्रकार के रोग माने गए हैं– मौसम परिवर्तन के कारण लू लगना, जुकाम, नजला, खांसी आदि दैववबलज– जैसे बाढ़ अकाल, प्राकृतिक आपदा आदि स्वभाव बलज– जैसे भूख प्यास, अपचन ,क्रोध इत्यादि संघात बलज– चोट लगने पर, कीट पतंगे के काटने पर बीमार होना आदि इन सब का इलाज आयुर्वेद में निश्चित रूप से संभव है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में नाभि मस्तिष्क से भी अधिक महत्वपूर्ण है नाभि शरीर का प्रथम दिमाग है नाभि में तेल डालकर। बीमारियों का उपचार संभव है। सोने से पहले यदि एरेंड का तेल नाभि में दिया जाए तो मोटापा, जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नाभि पर सरसों का तेल लगाने से फायदा होता है नारियल का तेल लगाने से और जैतून का तेल लगाने से प्रजनन क्षमता बढ़ती है, गाय का घी नाभि में लगाने से आंखों का सूखापन ठीक होता है, नीम का तेल लगाने से त्वचा संबंधी रोग ठीक होते हैं, बदलते मौसम में अर्जुन की छाल का पाउडर का दूध में उबालकर सेवन करना उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है आंवला कैंडी खट्टी मीठी दोनों ही घर में बनाई जा सकती हैं और वह इम्यून सिस्टम को ठीक करती हैं सर्दियों में बालों के झड़ने को रोकने के लिए घर में ही सुंदर तेल बनाया जा सकता है 100 ग्राम सरसों का तेल ,50 ग्राम नारियल का तेल दोनों को मिला दिया जाता हैऔर मेथी के बीज का पाउडर आधा चम्मच और कड़ी के पत्ते दो चम्मच पाउडर उस तेल में मिलाकर कांच की बोतल में भरकर 5 दिन तक बाहर रखने से औषध तेल तैयार हो जाएगा जिसमें धूप और शाम दोनों मिलते रहेंगे,चेहरे की खुश्की को हटाने के लिए मलाई और शक्कर इत्यादि का प्रयोग किया जा सकता है। आर्य नेत्री अंजू बजाज व डॉ. रचना चावला ने शाकाहार अपनाने पर जोर दिया । मांसाहार हमारी संस्कृति का अंग नहीं है। गायक रविंदर गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,कमला हंस,प्रेम हंस,प्रतिभा कटारिया, के एल मल्होत्रा, कुसुम भंडारी,राजेश मेहंदीरत्ता, आदि ने गीत सुनाये।

'मां की सेवा ही यशस्वी बनाती है' गोष्ठी सम्पन्न

माँ ही बच्चों को कमजोर या बहादुर बनाती है –योगाचार्य श्रुति सेतिया

सोमवार 6 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में माँ की सेवा ही यशस्वी बनाती हैष विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि ''वह माँ ही है जिसके रहते जिंदगी में कोई गम नहीं होता, दुनिया साथ दे या ना दे पर मां का प्यार कभी कम नहीं होता''। संत कहते हैं कि मां के चरणों में स्वर्ग होता है। भगवान राम ने भी माता को स्वर्ग से महान बताया है। माता अपने पुत्र को बलवान बना सकती हैं। जैसे कहा जाता है कि मकान की नींव कमजोर हो तो मकान गिर जाता है, उसी प्रकार मां के द्वारा दी जाने वाली संस्कारित शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन पशु तुल्य और निस्तेज हो जाता है। ऋग्वेद के एक मंत्र के माध्यम से ऋषि यह सिद्ध करना चाहते हैं कि मां की शक्ति अपार होती है, लेकिन इसका लाभ श्रद्धावान और सेवा भाव से भरपूर संतान को ही मिलता है। यदि वह माँ के हृदय को ठेस पहुंचाते हैं तो निश्चित तौर पर आशीष की तरंगे निष्क्रिय हो जाती हैं। ऐसा आप्त पुरुषों का वचन है कि जिस दिन हमारे कारण हमारी मां की आंखों में आंसू आते हैं उस दिन हमारे जीवन के सारे पुण्य पाप में बदल जाते हैं । चाणक्य नीति के कौटिल्य कहते हैं कि माता के समान कोई देवता नहीं है । माता की सेवा के साथ पिता और गुरुजनों की सेवा करने वाला, दीन –हीन की सहायता करने वाला संसार में यश प्राप्त करता है। मातृ शक्ति का सम्मान आज के युग में बहुत जरूरी है। जबकि हम सब जानते हैं कि यदि माताओं का सम्मान नहीं करेंगे तो राष्ट्र व समाज का पतन हो जाएगा। इसलिए हम सभी संकल्प लें और श्माता निर्माता भवतिश इस कथन को विचार कर माताओं के सेवा और सम्मान करें। ''सूरज की दहक तू ही है, हवा की महक तू ही है, चलती सांसों की लय तू ही है, मां ,भगवान की बदली सूरत तू ही है'' प्रत्येक युग में मां का आदर होता आया है, होता रहा है और हमेशा होता रहेगा, परंतु इस कलयुग में शायद हमारे संस्कारों में नैतिक मूल्यों को देने में कुछ कमी रह गई है, जो वह मां को सहारा देते समय आंख फेर लेते हैं। हमारी पीढ़ी को आज यह समझना होगा कि इस मशीनी युग में मां को मशीन नहीं समझे ,उसके धड़कते दिल को अपने दिल से महसूस करें। प्यार एवं सम्मान देकर उसके असीम आशीर्वाद व प्यार को बटोरते रहें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि माँ की महिमा अपरम्पार है,माँ का ऋण हम कभी नहीं चुका सकते । समाज में बढ़ते हुए वर्ध आश्रम चिंता का विषय है यह संस्कारों की कमी व नैतिक मूल्यों के हास के कारण हो रहा है जिससे परिवार बिखर रहे हैं । शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जिसमें माता पिता के प्रति कर्तव्यों का पालन हो। अध्यक्ष आर्य नेत्री शमा महाजन ने कहा कि माँ के दिये संस्कार ही समाज व राष्ट्र की नींव का काम करते हैं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा आर्य समाज चरित्रवान संस्कारित युवा पीढ़ी का निर्माण करता है। गायिका प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा,रचना वर्मा,ईश्वर देवी, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,मर्दुल अग्रवाल, कुसुम भंड़ारी, सुशांता अरोड़ा, रेखा गौतम, किरण सहगल, सुदेश आर्या,जनक अरोड़ा, चन्द्रप्रभा आर्या,दया आर्य आदि के मधुर भजन हुए।

विनम्र श्रद्धांजलि

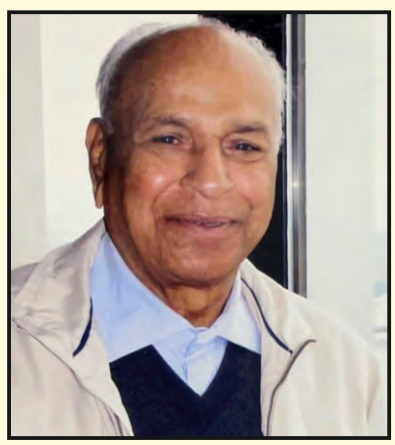

श्री मनजीतसिंह चौहान जी (बहनोई डॉ. अशोक के चौहान जी, संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान) का निधन। **केन्द्रीय आर्य युवक परिषद व समस्त आर्य जगत की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि–अनिल आर्य**

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970